

देश के विकास में नारी की भूमिका महत्वपूर्ण

ब्र.कु.अनु को मिला 'वूमैस ऑफ द इयर' अवार्ड



जम्मू। दीप प्रज्वलित करते हुए उपमुख्यमंत्री तारा चंद, विधानसभा के अध्यक्ष मो.अकबर लोन, ब्र.कु.सुदर्शन एवं ब्र.कु.रविन्द्र।



सुरत -अडाजण। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व केंद्रीय वरु मंत्री काशीराम भाई राणा साथ में हैं ब्र.कु.दक्षा तथा अन्य।



चम्पारण, छ.ग.। प्लेटिनम जुबली कार्यक्रम पर उपस्थित हैं कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहु, सांसद रमेश बोस, ब्र.कु.पुष्पा तथा अन्य।



धरणागांव। शिवरात्रि महोत्सव को संबोधित करते हुए गृह राज्य मंत्री गुलाब राव जी देवकर साथ में हैं ब्र.कु.निता एवं अन्य।



कैथल। ऑल इंडिया किसान एवं खेती संघ के अध्यक्ष शमशेर सिंह सुरजेवाला को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.पुष्पा साथ में हैं ब्र.कु.शंकुतला, ब्र.कु.अमीरचंद तथा अन्य।



यमुनानगर। ए.डी.सी. गीता भारती को प्लेटिनम जुबली का संदेश देने के पश्चात् सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु.रमेश, ब्र.कु.ज्योति, ब्र.कु.भारत भूषण।

धनबाद। अंतराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर प्रभात खबर की ओर से एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसे सम्बोधित करते हुए ब्र.कु.अनु ने कहा कि नारी की सहभागिता के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती।

अंदर बाहर हर जगह नारी की भूमिका महत्वपूर्ण है। माँ के रूप में नारी अपने बच्चों को आदर्श नागरीक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। वहीं देश को शिखर पर पहुंचाने में नारी पुरुषों से कंधा से कंधा मिलाकर कार्य कर रही है। आज

देश का कोई भी ऐसा क्षेत्र नहीं है जहां महिलायें कार्य न कर रही हो। हर क्षेत्र में महिलाओं ने अपनी स्पर्धा का लोहा मनवाया है। इस अवसर पर ब्र.कु.अनु को प्रभात खबर की ओर से 'वूमैस ऑफ द इयर' से सम्मानित किया गया।

सम्पूर्णता के लिए तीव्र पुरुषार्थ

प्रथम सप्ताह

स्वमान - मैं दृढ़ संकल्पधारी विशेष आत्मा हूँ।

- बापदादा तो बहुत समय से अचानक की वार्निंग दे रहे हैं इसलिए अभी बापदादा हर बच्चे को एक स्वमान देते हैं - हर बच्चा दृढ़ संकल्पधारी विशेष आत्मा बनें। संकल्प किया और हुआ। अपना विशेष स्वमान रोज अमृतवेले स्मृति में लाना और उस विधि पूर्वक आगे बढ़ना। एक सेकण्ड भी व्यर्थ न जाए, और एक संकल्प भी व्यर्थ नहीं जाए। समर्थ बनो और समर्थ बनाओ।

योगाभ्यास - बापदादा के आशीर्वाद का हाथ मेरे सिर पर है... वे मुझ पर किरणों के रूप में शक्तियों की वर्षा कर रहे हैं... उनके हाथों से शक्तियों की किरणें निकलकर मुझमें समाती जा रही है और मैं सर्व शक्तियों से सम्पन्न होता जा रहा हूँ... मास्टर सर्वशक्तिवान बनता जा रहा हूँ... मेरे संकल्पों में, मेरे जीवन में दृढ़ता आती जा रही है.. मैं दृढ़ संकल्पधारी विशेष आत्मा बनती जा रही हूँ...।

- सारे दिन में बीच-बीच में संकल्पों का

ट्रैफिक कंट्रोल करें.. बाबा द्वारा दिए गए विशेष स्वमान को याद करें और अपने संकल्प, व्रत, प्रतिज्ञा में बल भरें.. बाबा से शक्तियों की सकाश लें...।

धारणा - दृढ़ता-- दृढ़ता ही सफलता की जननी है इसलिए इस सप्ताह हम अपने पुरुषार्थ में तीव्रता लाने के लिए प्रैक्टिकली कुछ दृढ़ संकल्प करें और कुछ भी हो जाए लेकिन उस संकल्प को अमल में अवश्य लाएं।

जैसे - जब तक हमारा योग 4 घण्टा न हो जाए, तब तक हम सोयेंगे नहीं।

- जब तक 5 स्वरूपों का अभ्यास 8 बार नहीं करेंगे, तब तक सोयेंगे नहीं।

- यदि अलबेलेपन व आलस्यवश अमृतवला वा मुरली क्लास मिस हुआ तो सारे दिन भोजन नहीं करेंगे।

- यदि व्यर्थ संकल्प चला तो खुद को चीटी काटेंगे और तुरंत व्यर्थ को समर्थ में परिवर्तित करेंगे।

- भोजन बाबा की याद में मौन रहकर ही करेंगे।

- रोज रात्रि को सोने से पूर्व अपना पोतामेल बाबा को अवश्य देंगे... आदि।

इस प्रकार के कुछ दृढ़ संकल्प इस सप्ताह अवश्य करें और अपने पुरुषार्थ में तीव्रता लायें।

चिंतन - वर्तमान समय तीव्र पुरुषार्थ की आवश्यकता एवं महत्ता क्यों है ?

- तीव्र पुरुषार्थी कैसे बनें ? अपने पुरुषार्थ में तीव्रता लाने के लिए आपने क्या योजना बनायी है ?

साधकों प्रति - प्रिय साधकों! हमारे प्राणेश्वर बापदादा हमें व्यर्थ से पूरी तरह मुक्त देखना चाहते हैं। इसलिए बार-बार हमें होमवर्क की याद दिला रहे हैं। अभी भी उन्होंने हमें एक और सप्ताह दिया है ताकि हम व्यर्थ रूपी गंदगी से पूरी तरह मुक्त हो जाएं। आप सबको इस बात का अनुभव होगा कि मन से व्यर्थ को हटाना है तो उसे समर्थ संकल्पों में लगाना होगा। इसमें मन की दिनचर्या बहुत मदद करती है।

दूसरा सप्ताह

स्वमान - मैं बाप समान विश्व कल्याणकारी मास्टर दुःखहर्ता सुखकर्ता हूँ।

- अब चारों ओर दुःख अशांति बढ़ रही है इसलिए अपने विश्व कल्याणकारी स्वरूप को प्रत्यक्ष करो। विश्व कल्याण में स्व-कल्याण स्वतः और सहज हो जाता है क्योंकि अगर मन फ्री है तो व्यर्थ आता है लेकिन मन बिजी होगा तो व्यर्थ सहज ही समाप्त हो जायेगा। इसलिए आप सब विश्व कल्याणकारी दुःखहर्ता-सुखकर्ता बनो।

योगाभ्यास:- मैं विश्व कल्याणकारी आत्मा हूँ... जब हम इस स्वमान में स्थित रहते हैं तो सारे विश्व को हमसे स्वतः ही श्रेष्ठ वायब्रेशन्स मिलते रहते हैं। तो हम सारे दिन इस स्वमान की सीट पर सेट रहे।

- विश्व की मंसा सेवा के लिए हम सारे दिन में कोई विशेष समय निश्चित करें। कम से कम

दो बार तो अवश्य ही विश्व को सकाश दें। साथ ही हर ट्रैफिक कंट्रोल में भी मंसा सेवा करें। मंसा सेवा में विशेष अपने फरिश्ते स्वरूप द्वारा सारे विश्व की आत्माओं को सुख, शांति, आनंद व पवित्रता की किरणें प्रदान करें अथवा विश्व के ग्लोब को अपने हाथ में लेकर सभी देश की आत्माओं को सकाश दें।

धारणा - रहमदिल।

- बापदादा ने समय प्रति समय सूचना देते रहे हैं कि समय अनुसार आप लोगों का एक-एक का स्वमान है विश्व कल्याणकारी। चारों ओर दुःख-अशांति बढ़ रही है, आपके भाई, आपकी बहिन परिवार दुःखी हो रहे हैं तो आपको अपने परिवार पर रहम नहीं आता!!!

स्वचिंतन - क्या मैं अपने वर्तमान पुरुषार्थ से संतुष्ट हूँ?

- अपने पुरुषार्थ में और तीव्रता लाने के लिए क्या करूँ ?

- एक तीव्र पुरुषार्थी आत्मा का शब्दचित्र बनायें।

साधकों प्रति - प्रिय साधकों! पिछली मुरली में बाबा ने एक बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही थी, आप सबने उस पर विचार अवश्य किया होगा। बाबा के वो महावाक्य थे - अभी संगमयुग में जो चाहे, जितना चाहे उतना बाप से सहयोग मिल सकता है। भगवान हमें खुला ऑफर दे रहे हैं कि मैं तुम्हारे लिए खाली बैठा हूँ तुम जितना चाहो मुझसे ले लो। सचमुच ये भाग्य बनाने की वेला है, भाग्यविधाता से जितना चाहे, उतनी लम्बी लाईन अपने भाग्य की लाइन खिंचवा लें। अपने पुरुषार्थ को भी उसके सहयोग से सहज, सरल और तीव्र कर लें। और क्या-क्या सहयोग ले लें उस सव्रशक्तिवान से, इस पर सभी तीव्र पुरुषार्थी अवश्य विचार करें...!!